व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

खाद्य प्रसंस्करण - हल्दी पाउडर

के लिए

स्वयं सहायता समूह-महिला मंडल लुनापानी

एसएचजी/सीआईजी नाम	महिला मंडल लूणापानी
वीएफडीएस नाम	जनवान
रेंज	उरला
मंडल	जोगिंदर नगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषय-सूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3
2.	विवरणएसएचजी/सीआईजी का	3
3.	लाभार्थियोंविवरण	4
4.	भौगोलिकगांव का विवरण	5
5.	कार्यकारिणीसारांश	5
6.	डीआय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
7.	उत्पादनप्रक्रियाओं	6-8
8.	उत्पादनयोजना	8
9.	बिक्रीऔर मार्केटिंग	9
10.	स्वोटविश्लेषण	9-10
11।	विवरणसदस्यों के बीच प्रबंधन का	10
12.	विवरणअर्थशास्त्र का	11-12
13.	एआय और व्यय का विश्लेषण	12
14.	फंडमांग	13
15.	सूत्रों का कहना हैनिधि का	13
16.	प्रशिक्षण/क्षमताभवन निर्माण/कौशल उन्नयन	14
17.	गणनासम-विच्छेद बिंदु का	14
18.	किनाराकर्ज का भुगतान	14
19.	निगरानीतरीका	14-15
20.	टिप्पणी	15
21.	समूह सदस्य का फोटो	16
22.	समूह फोटो	17
23.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	18
24.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	19

1. परिचय-

महिला मंडल लूणापानी एसएचजी का गठन वर्ष 2009 में ही किया जा चुका है और इसे हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त) के अंतर्गत भी शामिल किया गया है, जो वीएफडीएस के अंतर्गत आता है।जनवान और रेंज उरलाइस स्वयं सहायता समूह में 13 महिलाएं हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से हल्दी पाउडर तैयार करने का फैसला किया है, जो कि उनकी आय सृजन गतिविधि (आईजीए) है। इन महिलाओं को पहले से ही हल्दी उगाने का अनुभव था और अब इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता की मदद से वे कम कीमत पर कच्ची हल्दी बेचने के बजाय हल्दी पाउडर को एक उत्पाद के रूप में बाजार में बेच सकेंगी।

हल्दी सबसे पुरानी खेती वाली फसलों में से एक है जिसे भारत में कई हज़ार सालों से उगाया जाता रहा है। हल्दी, भारतीय व्यंजनों में मुख्य मसाला पाउडर है, जिसे कई लोग बीमारी से लड़ने और संभावित रूप से बीमारी को दूर करने के लिए ग्रह पर सबसे शक्तिशाली जड़ी बूटी मानते हैं।

हल्दी पारंपरिक रूप से अपने पाक और औषधीय गुणों के लिए जानी जाती है। यह बहुउपयोगी उत्पादों में से एक है जिसमें कई मूल्यवान गुण और उपयोग हैं। इसका व्यापक रूप से भोजन, कपड़ा, दवा और कॉस्मेटिक उद्योगों में उपयोग किया जाता है।

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	महिला मंडल लूणापानी
2.	वीएफडीएस	जनवान
3.	रेंज	उरला
4.	मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	जनवान
6.	ब्लॉक ऑफिस	पधर
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	13
9.	गठन की तिथि	दिसंबर-2009
10.	बैंक खाता सं.	30996121994
11।	बैंक विवरण	एसबीआई गुम्मा IFSC - SBIN0008843
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	650(50 प्रति व्यक्ति)
13.	कुल बचत	73,814
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	एम /ए फ	पिता/ पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	कांता देवी	एफ	प्रशोत्तम राम	सामान्य	अध्यक्ष	98577-82966
2	सत्या देवी	एफ	तारा चंद	सामान्य	सचिव	82194-30862
3	कमला ठाकुर	एफ	नित्यानंद ठाकुर	सामान्य	सदस्य	94597-87977
4	प्रकाशो देवी	एफ	भेखम राम	सामान्य	सदस्य	86791-81435
5	ब्राह्मी देवी	एफ	ज्ञान चंद	सामान्य	सदस्य	86795-60451
6	कांता देवी	एफ	प्रेम चंद	सामान्य	सदस्य	82198-15837
7	अमरावती	एफ	गोविंद राम	सामान्य	सदस्य	76510-07672
8	मंजू देवी	एफ	गगन	सामान्य	सदस्य	85804-53091
9	वनिता	एफ	पवन कुमार	सामान्य	सदस्य	98167-72303
10	वीरेंद्र	एफ	किकर सिंह	सामान्य	सदस्य	98577-82966
11	कमला देवी	एफ	बुद्धि सिंह	सामान्य	सदस्य	98189-24398
12	माघे देवी	एफ	हरि राम	सामान्य	सदस्य	98571-23418
13	बबली देवी	एफ	बलदेव सिंह	सामान्य	सदस्य	70184-09753

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	35 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	4 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	4 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	पधर 4 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	मंडी 35 किलोमीटर, जोगिंदर नगर 37 किलोमीटर
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	पधर

5. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा खाद्य प्रसंस्करण (हल्दी पाउडर) आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा शुरू में हल्दी का पाउडर बनाया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। पाउडर बनाने की प्रक्रिया में लगभग 8-10 दिन लगते हैं। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, सुखाने, ग्रेडिंग, पीसने आदि जैसी प्रक्रियाएँ शामिल हैं। शुरुआत में समूह कच्ची हल्दी का पाउडर बनाएगा लेकिन भविष्य में समूह अन्य उत्पादों का निर्माण करेगा जो इसी प्रक्रिया का पालन करते हैं। उत्पाद को शुरू में समूह द्वारा सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और पास के बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

6. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	हल्दी पाउडर
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

7. उत्पादन प्रक्रियाएं-

❖ **कटाई-**

- ✧ किस्म के आधार पर, फसल 7-9 महीनों में कटाई के लिए तैयार हो जाती है। अगेती किस्में 7-8 महीनों में, मध्यम किस्में 8-9 महीनों में और देर से पकने वाली किस्में 9 महीनों में पक जाती हैं।
- ✧ परिपक्व होने पर पत्तियां सूख जाती हैं और उनका रंग हल्का भूरा या पीला हो जाता है।
- ✧ भूमि को जोता जाता है और प्रकंदों को हाथ से तोड़कर इकट्ठा किया जाता है या गुच्छों को कुदाल से सावधानीपूर्वक उठाया जाता है।
- ✧ काटे गए प्रकंदों को उनमें चिपके कीचड़ और अन्य बाहरी पदार्थों से साफ किया जाता है।
- ✧ अंगुलियों को मातृ प्रकंदों से अलग किया जाता है। मातृ प्रकंदों को आमतौर पर बीज सामग्री के रूप में रखा जाता है।

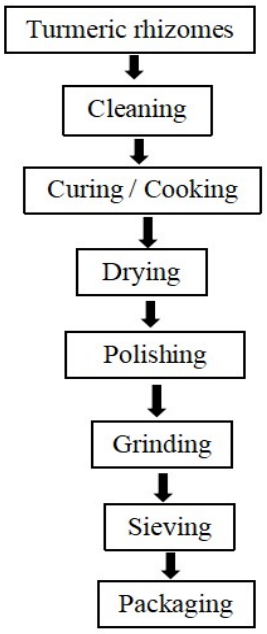

❖ प्रसंस्करण-

- ✧ पसीना आना

खुदाई के बादहल्दीजमीन से पत्तियों को पौधे से अलग किया जाता है और जड़ों को सावधानीपूर्वक धोया जाता है ताकि सारी अशुद्धियाँ दूर हो जाएँ। पत्तियों के छिलके और लंबी जड़ें काट दी जाती हैं और प्रकंद और शाखाओं को अलग करके पत्तियों से ढक दिया जाता है और फिर एक दिन के लिए छोड़ दिया जाता है।

✧ इलाज

इसका सूखा रूप पाने के लिएहल्दी, यह ठीक हो रहा है। इसे धोने के बाद, प्रकंदों को पानी में उबाला गया और धूप में सुखाया गया। उबलने की प्रक्रिया 45-60 मिनट तक चलती है जब तक कि प्रकंद नरम न हो जाए। उबलना आमतौर पर तब बंद हो जाता है जब बाहर आता है और सफेद धुआँ दिखाई देता है जो एक विशिष्ट गंध देता है। जिस चरण में उबलना बंद किया जाता है, वह अंतिम उत्पाद के रंग और सुगंध को अत्यधिक प्रभावित करता है।

✧ सुखाने

इलाज के बादहल्दीअगला चरण है सुखाना। सुखाने के लिए फर्श या बांस की चटाई का उपयोग करके हल्दी की 5-7 सेमी मोटी परत धूप में फैला दी जाती है। इसे ठीक से सूखने में 10-15 दिन लगते हैं। रात में हल्दी को हवा देने वाली सामग्री से ढक दिया जाता है।

✧ चमकाने

सूखने के बाद इसकी बाहरी सतह खुरदरी और सुस्त हो जाती है, जिस पर तराजू और जड़ के निशान होते हैं। पॉलिश करने से इसकी दिखावट में सुधार होगा और इसके लिए मुख्य रूप से मैनुअल और मैकेनिकल रबिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है।

✧ रंग

का रंगहल्दीयह बहुत मायने रखता है। क्योंकि कीमत उत्पाद के रंग के अनुसार तय की गई थी।

✧ पिसाई

पॉलिश की गई हल्दी की उंगलियों को पीसने की प्रक्रिया से गुज़ारा जाता है। पीसना सबसे आम प्रक्रियाओं में से एक है जिसका उपयोग उपभोग और पुनर्विक्रय के लिए हल्दी पाउडर तैयार करने के लिए किया जाता है। विशेष मसाला पीसने का मुख्य उद्देश्य स्वाद और रंग के मामले में अच्छी उत्पाद गुणवत्ता के साथ छोटे कण आकार प्राप्त करना है। इस प्रक्रिया के लिए विभिन्न परिवेश पीसने वाली मिलें और विधियाँ उपलब्ध हैं; जैसे कि हैमर मिल, एट्रिशन मिल और पिन मिल। भारत में, पारंपरिक रूप से, हल्दी पीसने के लिए प्लेट मिल और हैमर मिल का उपयोग किया जाता है।

- sieving

पिसे हुए मसालों को छलनी के माध्यम से आकार के अनुसार छांटा जाता है, और बड़े कणों को और भी पीसा जा सकता है। आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली छलनी 60 - 80 मेश आकार की होती हैं।

✧ पैकेजिंग और भंडारण

हल्दीइसे एयर-टाइट पेपर बैग में पैक किया जाता है, जिसके अंदर पॉलीथीन की परत होती है। साथ ही, उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए, इसे सूखे भंडारण में और प्रकाश से दूर रखा जाता है। ताकि हल्दी में मौजूद नमी की उचित मात्रा न खो जाए।

8. उत्पादन योजना -

1.	हल्दी पाउडर का उत्पादन चक्र (दिनों में)	8-10 दिन
2.	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति (संख्या)	सभी महिलाएं
3.	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4.	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
5.	प्रति माह आवश्यक मात्रा (किग्रा)	1,000
8.	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन (किलोग्राम)	1,000

मांगकच्चे माल और अपेक्षित उत्पादन

क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा(लगभग)	मात्राप्रति किलोग्राम (रु.)	कुल राशि	अपेक्षित उत्पादन प्रति माह (किलोग्राम)
1	कच्ची हल्दी	किलोग्राम	महीने के	1000	50	50,000	1000

9. बिक्री और विपणन -

1	संभावित बाज़ार स्थान	जोगिंदर नगर, पधर
2	इकाई से दूरी	14किमी, 18किमी
3	उत्पादन बाज़ार/स्थानों की मांग	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार की मांग के अनुसार खुदरा या थोक विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद को नजदीकी बाजारों में बेचा जाएगा।

5	उत्पाद की विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से अपना उत्पाद बेचेंगे। इसके अलावा, खुदरा विक्रेता, पास के बाजारों के थोक विक्रेताओं के माध्यम से भी उत्पाद बेचा जाएगा। शुरुआत में उत्पाद 5, 1 और 0.5 किलोग्राम की पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"	"महिला मंडल लूनापानी ऑर्गेनिक हल्दी"

10. स्वोट अनालिसिस-

- ताकत-
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है.
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
  - उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है।
  - घर का बना, कम लागत.

- कमजोरी-
  - विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
  - अत्यधिक श्रम गहन कार्य.
  - अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करें।

- अवसर-
  - इसमें लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणी के उत्पादों की तुलना में कम है।
  - दुकानों, फास्ट फूड स्टालों, खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, कैंटीन, रेस्तरां, शेफ और रसोइयों, गृहिणियों, सौंदर्य उत्पाद बनाने वाले सौंदर्य ब्रांडों और दवा कंपनियों द्वारा उच्च मांग।
  - बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार की संभावनाएं हैं।
  - दैनिक उपभोग.

- खतरे/जोखिम-
  - विनिर्माण एवं पैकेजिंग के समय तापमान एवं नमी का प्रभाव, विशेषकर सर्दियों एवं बरसात के मौसम में।
  - कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि।
  - प्रतिस्पर्धी बाजार.

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य अपनी भूमिका तय करेंगे और जिम्मेदारी निभाना काम। सदस्यों के बीच काम उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार बांटा जाएगा क्षमताएं.

- कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

12. अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	हल्दी के बीज	130 किलोग्राम	100	13,000
2	ग्राइंडर मशीन	1	35,000	35,000
3	भंडारण टैंक	1	10,000	10,000
4	तोलनयंत्र	1	8,000	8,000
5	रसोईघर के उपकरण		रास	10,000
6	तैयार उत्पाद भंडारण अलमारी/रैक	2	5,000	10,000
7	हाथ से संचालित पैकिंग मशीन	1	10,000	10,000
8	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के दस्ताने आदि		रास	5000
कुल पूंजी लागत (ए) =			**1,01,000**	

नोट – चूंकि कच्ची हल्दी का उत्पादन समूह सदस्यों द्वारा किया जाएगा तथा श्रम कार्य समूह सदस्यों द्वारा किया जाएगा। इसलिए, ये लागत कुल आवर्ती लागत से कम हो जाएगी।

बी. आवर्ती लागत					
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	कच्चा माल	महीना	1000	50	50,000
2	कमरे का किराया	महीना	1	1000	1000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	2000	2000
4	परिवहन	महीना	1	1200	1200
5	अन्य (स्टेशनरी, बिजली, पानी का बिल, मशीन मरम्मत)	महीना	1	2000	2000
कुल आवर्ती लागत (बी) = 56,200					

सी. उत्पादन की लागत		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	56,200
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	10,100
कुल = 66,300		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	उत्पादन की लागत	किलोग्राम	80
2	वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	250-300
3	अपेक्षित विक्रय मूल्य	किलोग्राम	200

13. आय एवं व्यय का विश्लेषण (प्रति माह) -

क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	10,100
2	कुल आवर्ती लागत	56,200
3	कुल उत्पादन (किग्रा)	1000
4	विक्रय मूल्य (प्रति किलोग्राम)	200
5	आय सृजन (200*1000)	2,00,000
6	शुद्ध लाभ (200000 - 56200)	1,43,800
7	सकल लाभ = शुद्ध लाभ + कच्चे माल की लागत।	=1,43,800 + 50,000 =193,800
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

14. निधि की आवश्यकता -

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	1,01,000	75,750	25,250
2	कुल आवर्ती लागत	56,200	0	56,200
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	70,000	70,000	0
कुल		2,27,200	1,45,750	81,450

15. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ यदि समूह सामान्य श्रेणी से संबंधित है तो परियोजना द्वारा पूंजीगत लागत का 50% प्रदान किया जाएगा और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/गरीब महिलाओं के लिए पूंजीगत लागत का 75% प्रदान किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक की धनराशि जमा की जाएगी। प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	खरीद मशीनों/उपकरणों का आवंटन सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा किया जाएगा।
एसएचजी योगदान	✧ यदि सदस्य सामान्य श्रेणी से संबंधित है तो पूंजीगत लागत का 50% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा और यदि अन्य श्रेणी से संबंधित है तो 25%। लेकिन सदस्य कम आय वर्ग से संबंधित हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को 5वें जीबी निर्णय के अनुसार शेष 75% वहन करना होगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

17. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन लागत (प्रति किग्रा))

=1, 01,000/ (200-80)

=842 किलोग्राम

इस प्रक्रिया में 842 किलोग्राम पाउडर बेचने के बाद लाभ-हानि की स्थिति प्राप्त हो जाएगी।

18. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण के रूप में होगा सीमा और सीसीएल के लिए है पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद चाहिए सीसीएल के माध्यम से भेजा जाएगा।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

19. निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की भी समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

20. टिप्पणी

सदस्य निम्न आय वर्ग के हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं और परियोजना को इसका खर्च वहन करना होगा शेष 75%.

समूह सदस्य फ़ोटो:

कांता देवी सत्या देवी कमला ठाकुर प्रकाशो देवी

ब्राह्मी देवी कांता देवी अमरावती मंजू देवी

वनिता वीरेंद्र कमला देवी माघे देवी

बबली देवी

स्वयं सहायता समूह का नाम: महिला मंडल लूणापानी वीएफडीएस: जनवान **श्रेणी:** उरला **वन मंडल** :जोगिंदर नगर.

समूह फोटो

स्वयं सहायता समूह का नाम: महिला मंडल लूणापानी **वीएफडीएस:** जनवान **श्रेणी:** उरला **वन मंडल** :जोगिंदर नगर.

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Mhila Mandal, Lunapani held on 27-06-2022 at Janwan that our group will undertake the haldi powder as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

प्रधान / सचिव
महिला मण्डल लुणापानी, डाक. गुम्मा
सह. जो. नगर, जिला मण्डी (हि.प्र.)

Signature Of group President
secretary

Signature of President VFDS

प्रधान Ram Singh
वन अधिकार समिति
ग्रा. पं. गुम्मा, विकास खण्ड दंग
जिला मण्डी (हि.प्र)

Signature Of group

1
2 Satya Devi
3 Banita
4 Manju Devi
5 माथी
6 कमला देवी
7 अमरावती
8 बबली देवी
9 Prakash Devi
10 Kamla
11 कान्ता देवी
12 ब्रह्मी देवी
13 Brindra Kumari

स्वयं सहायता समूह का नाम: महिला मंडल लूणापानी वीएफडीएस: जनवान श्रेणी: उरला वन मंडल :जोगिंदर नगर.

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Mahila Mandal Lunapani Group will undertake the haldi powder as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 2,27,200 has been submitted by the group on 27-06-2022 and the Business Plan has been approved by VFDS Janwan.

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

प्रधान / सचिव
महिला मण्डल लूणापानी, डाक. गुम्मा
वन जो. नगर, जिला मण्डी (हि.प्र.)

Signature Of group President secretary

Signature Of group

1
2 Satya Devi
3 Banita
4 Manju Devi
5 माही
6 कमला देवी
7 अमरावती
8 बबली देवी
9 Prakash Devi
10. Kamla
11 कान्ता देवी
12 ब्रम्ही देवी
13 Brindra Kumari

Signature of President VFDS

प्रधान Ram Singh,
वन अधिकार समिति.....
ग्रा. पं. गुम्मा, विकास खण्ड दंग
जिला मण्डी (हि.प्र)

Approved

DMU cum DFO Joginder Nagar

D.M.U.
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar

स्वयं सहायता समूह का नाम: महिला मंडल लूणापानी वीएफडीएस: जनवान **श्रेणी:** उरला **वन मंडल** :जोगिंदर नगर.